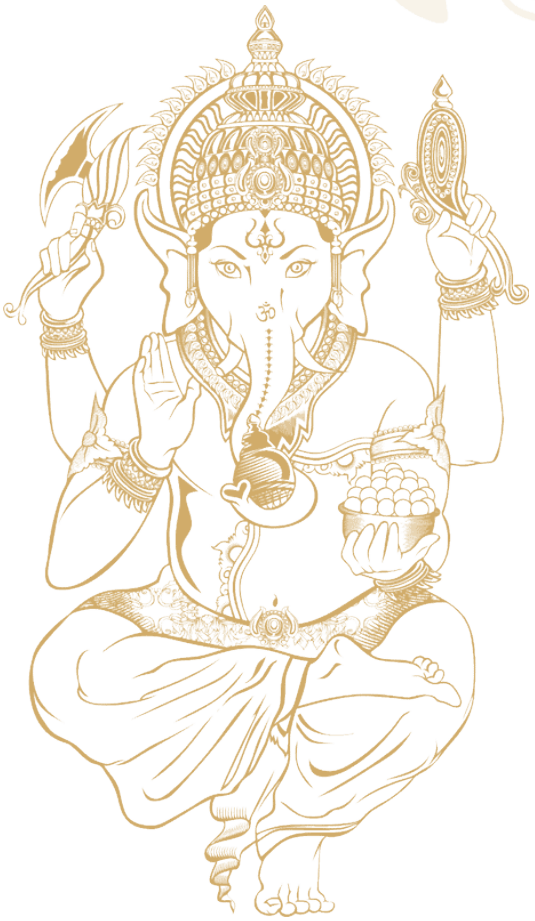

Vijay Kumar

Preeti Kumari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120725902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/05/1990	जन्म तिथि	10/06/1993
शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 09:30:00	जन्म समय	11:03:00 घंटे
घटी 10:58:08	जन्म समय(घटी)	15:12:54 घटी
India	देश	India
Bettiah	स्थान	Narkatiaganj
26:49:00 उत्तर	अक्षांश	27:06:00 उत्तर
84:30:00 पूर्व	रेखांश	84:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:08:00	स्थानिक संस्कार	00:07:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:06:44	सूर्योदय	04:57:16
18:30:22	सूर्यास्त	18:45:47
23:43:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:12

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 8वर्ष 8मा 23दि	29:58:44	मिथु	लग्न	सिंह	15:11:10	मंगल 1वर्ष 7मा 27दि
शुक्र	27:27:16	मेष	सूर्य	वृष	25:35:07	गुरु
03/02/2006	23:09:09	वृश्चि	चंद्र	कुंभ	03:30:33	05/02/2013
03/02/2026	22:07:50	कुंभ	मंगल	कर्क	28:48:02	05/02/2029
शुक्र 04/06/2009	15:05:29	मेष व	बुध	मिथु	18:43:53	गुरु 26/03/2015
सूर्य 04/06/2010	15:11:33	मिथु	गुरु	कन्या	11:06:48	शनि 06/10/2017
चन्द्र 03/02/2012	15:18:00	मीन	शुक्र	मेष	09:49:08	बुध 12/01/2020
मंगल 04/04/2013	01:34:17	मक व	शनि	कुंभ	06:33:28	केतु 18/12/2020
राहु 04/04/2016	16:50:22	मक व	राहु व	वृश्चि	18:22:21	शुक्र 19/08/2023
गुरु 04/12/2018	16:50:22	कर्क व	केतु व	वृष	18:22:21	सूर्य 06/06/2024
शनि 03/02/2022	15:32:12	धनु व	हर्ष व	धनु	27:38:57	चन्द्र 06/10/2025
बुध 03/12/2024	20:40:26	धनु व	नेप व	धनु	26:48:15	मंगल 12/09/2026
केतु 03/02/2026	22:32:05	तुला व	प्लूटो व	तुला	29:40:15	राहु 05/02/2029

लग्न-चलित

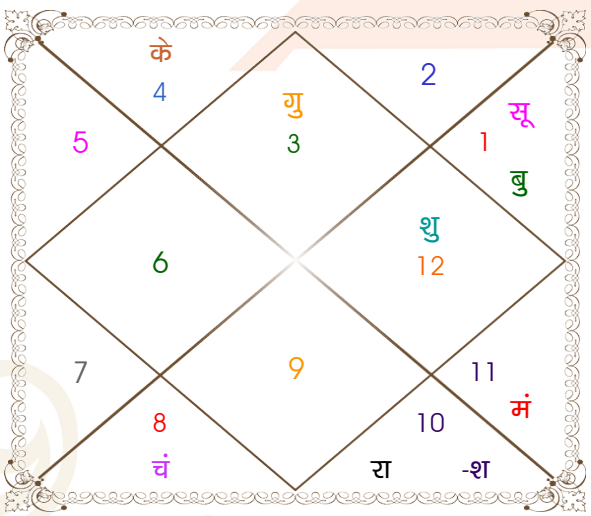

लग्न-चलित

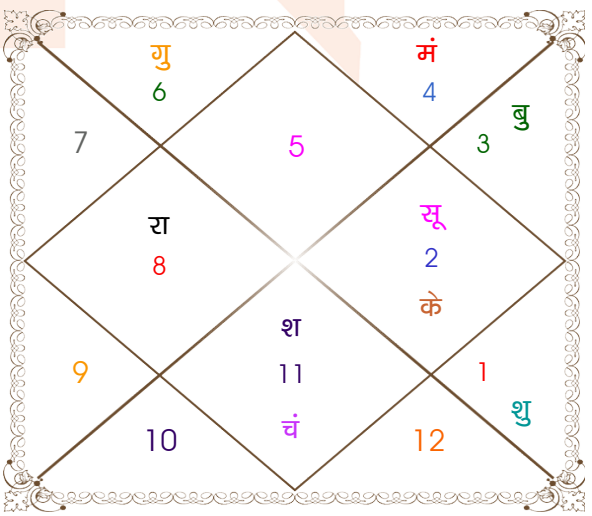

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

टपरंल ज्ञनउंत का वर्ग मृग है तथा च्तममजप ज्ञनउंतप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपरंल ज्ञनउंत और च्तममजप ज्ञनउंतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

टपरंल ज्ञनउंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

च्तममजप ज्ञनउंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तममजप ज्ञनउंतप कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल च्तममजप ज्ञनउंतप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

टपरंल ज्ञनउंत तथा च्तममजप ज्ञनउंतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।